

---

# Mrityunjaya Stotra 2 from Narasimhapurana

---

## मृत्युञ्जयस्तोत्रम् २ नरसिंहपुराणे

---

### Document Information

---

Text title : mRityunjayastotram 2 narasiMhapurANe

File name : mRityunjayastotram2NP.itx

Category : shiva, stotra

Location : doc\_shiva

Proofread by : Singanallur Ganesan singanallur at gmail.com

Translated by : <https://archive.org/details/NarsimhaPuranGitapress>

Description-comments : Narasimhapurana adhyAya 10 33-40

Latest update : June 9, 2013

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 30, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

मृत्युञ्जयस्तोत्रम् २ नरसिंहपुराणे



मार्कण्डेय उवाच -

नमोऽस्तु ते देवदेव महाचित्त महाकाय महाप्राज्ञ महादेव महाकीर्त  
ब्रह्मेन्द्रचन्द्ररुद्रार्चित पादयुगल श्रीपद्महस्त सम्मर्दितदैत्यदेह ॥ ३३ ॥

अनन्तभोगशयनार्पितसर्वाङ्ग

सनकसनन्दनसनत्कुमाराद्यैर्योगिभिर्नासाग्रन्यस्तलोचनैरनवरतमभिचिन्तितमोक्षतत्त्व  
।

गन्धर्वविद्याधरयक्षकिन्नरकिम्पुरुषैरहरहोगीयमानदिव्ययशः ॥ ३४ ॥

नृसिंह नारायण पद्मनाभ गोविन्द गोवर्धनगुहानिवास योगीश्वर  
योगधर देवेश्वर जलेश्वर महेश्वर ॥ ३५ ॥

योगधर महामायाधर विद्याधर यशोधर कीर्तिधर त्रिगुणनिवास  
त्रितत्त्वधर त्रेताग्निधर ॥ ३६ ॥

त्रिवेदभाक् त्रिनिकेत त्रिसुपर्ण त्रिदण्डधर ॥ ३७ ॥

स्निग्धमेघाभार्चितद्युतिविराजित पीताम्बरधर

किरीटकटककेयूरहारमणिरत्नांशुदीप्तिविद्योतितसर्वदिश ॥ ३८ ॥

कनकमणिकुण्डलमण्डितगण्डस्थल मधुसूदन विश्वमूर्ते ॥ ३९ ॥

लोकनाथ यज्ञेश्वर यज्ञप्रिय तेजोमय भक्तिप्रिय वासुदेव  
दुरितापहाराराध्य पुरुषोत्तम नमोऽस्तु ते ॥ ४० ॥

इति ।

नरसिंहपुराण अध्याय १० श्लोकसंख्या ५२

श्रीनरसिंहपुराणे मार्कण्डेयचरित्रे दशमोऽध्यायः ॥ १० ॥

Proofread by Singanallur Ganesan singanallur at gmail.com

---



*Mrityunjaya Stotra 2 from Narasimhapurana*  
pdf was typeset on August 30, 2023



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

